

उपस्कर पुं. (तत्.) 1. घर का सामान 2. ऐसी कोई भी वस्तु जिससे काम करने में सहायता मिले, जरूरी साज-सामान, फर्नीचर 3. जीवन निर्वाह की आवश्यक सामग्री; रसद, सामान 4. वस्त्राभूषण आदि।

उपस्करण पुं. (तत्.) 1. सजाने-सँवारने की क्रिया या भाव, सजाना-सँवारना। furnishing

उपस्कार पुं. (तत्.) दे. उपस्कर।

उपस्कृत वि. (तत्.) उपस्कर से युक्त दे. उपस्कर।

उपस्तरण पुं. (तत्.) 1. बिछावन, चादर 2. फैलाना, बिछाना।

उपस्त्री स्त्री. (तत्.) उपपत्नी, रखैल।

उपस्थ पुं. (तत्.) 1. शरीर का मध्य भाग 2. पेड़ 3. स्त्री या पुरुष की जननेंद्रिय 4. गोद 5. गुदा 6. नितंब।

उपस्थान पुं. (तत्.) 1. पास आना, सामने आना 2. उपस्थिति, मौजूदगी 3. उपासना स्थल 4. देवता के सामने खड़े हो कर की गई स्तुति या आराधना।

उपस्थानशाला स्त्री. (तत्.) बौद्ध धर्म में उपासना हेतु निर्मित सभा-भवन।

उपस्थापक वि. (तत्.) विषय की प्रस्तावना करने वाला, प्रस्तुतकर्ता।

उपस्थापन पुं. (तत्.) विधि. 1. सम्मुख प्रस्तुत करना 2. न्यायालय में वाद से संबंधित कागज-पत्र प्रस्तुत करना, पास या सामने रखना। presentation

उपस्थापनीय वि. (तत्.) 1. जिसे (जिस विषय या प्रकरण को) प्रस्तुत करना हो 2. प्रस्तुत करने योग्य।

उपस्थापित वि. (तत्.) प्रस्तुत किया हुआ (विषय सामग्री आदि)।

उपस्थित वि. (तत्.) 1. विद्यमान, मौजूद, हाजिर, समीप बैठा हुआ, ध्यान में आया हुआ, विलो. अनुपस्थित।

उपस्थिति स्त्री. (तत्.) 1. हाजिरी, विद्यमानता 2. प्राप्ति 3. स्मरण शक्ति विलो. अनुपस्थिति।

उपस्थिति-पंजिका स्त्री. (तत्.) कार्य करने वालों की उपस्थिति का विवरण दर्शाने वाली पंजी। attendance-register

उपस्पर्श पुं. (तत्.) 1. स्पर्श 2. आचमन 3. कुल्ला।

उपस्मृति स्त्री. (तत्.) छोटी स्मृतियाँ, धर्मशास्त्र के छोटे ग्रंथ टि. लौगाक्षिस्मृति, गोभिलस्मृति आदि 18 विधि ग्रंथों को उपस्मृति कहते हैं।

उपस्वत्व पुं. (तत्.) जमीन या पूँजी से होने वाली आय, लाभ लगान।

उपस्वन पुं. (तत्.) किसी स्वनिम के विविध परिवेशों में उच्चरित विभिन्न रूप। allophone

उपहत वि. (तत्.) 1. चोट खाया हुआ, घायल 2. नष्ट किया हुआ 3. विकृत, दूषित 4. बिगाड़ा हुआ

उपहतचित्त वि. (तत्.) 1. बेचैन 2. उद्विग्न 3. खोया हुआ 4. विक्षिप्त, पागल।

उपहति स्त्री. (तत्.) आयु. हथियार आदि से लगी चोट। hurt injury

उपहसित पुं. (तत्.) 1. व्यंग्य से भरा हास, उपहास 2. हास के छह भेदों में से एक टि. अन्य भेद- स्मित, हसित, विहसित, अपहसित, अतिहसित।

उपहार पुं. (तत्.) भेंट, सौगात, नजराना।

उपहारकर पुं. (तत्.) राज. प्राप्त उपहारों पर लगने वाला कर।

उपहार चेक पुं. (तत्.) उपहार स्वरूप दिया जाने वाला विशेष चेक।

उपहार प्रति स्त्री. (तत्.) प्रकाशक अथवा लेखक द्वारा पाठक, आलोचक आदि को पुस्तक की निःशुल्क भेंट की गई प्रति complimentary copy पर्या. मानार्थ प्रति।